तापमान
अधिकतम 16.0 डिग्री
न्यूनतम 6.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, सोमवार 5 जनवरी 2026

11 स्वयं सेवक सच्चा देशभक्त होता है: रामनिवास

12 रोटी रथ सेवा समिति वर्षों से जींद शहर में सराहनीय...

खबर संक्षेप

नरवाना में निकलेगी नागा साधु शोभा यात्रा

नरवाना। गांव मोहलखेड़ा के शिव मंदिर के अटल अखाड़ा के महंत गौतम गिरी महाराज द्वारा 26 नवंबर से 41 दिन की जलधारा तपस्या शुरू की गई थी। जोकि पांच जनवरी को संपन्न होगी। जलधारा के संपन्न होने पर 5 जनवरी को नागा साधु शोभा यात्रा निकाली जाएगी। यह शोभा यात्रा नरवाना शहर के विश्वकर्मा चौक से शुरू होकर भगतसिंह चौक, बाबा गैबी साहब मंदिर से होते हुए शिव मंदिर, मोहलखेड़ा में पहुंचेगी। तत्पश्चात मंदिर में भंडारा होगा, जिसमें आसपास के गांव के लोग प्रसाद लेंगे। वहीं गांव मोहलखेड़ा के शिव मंदिर में आयोजन को लेकर पूरी तैयारियां की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि जलधारा तपस्या चार मटकों से शुरू हुई थी। इस बार महंत गौतम गिरी महाराज द्वारा 108 मटकों की जलधारा तपस्या की गई है।

आंबेडकर भवन में संतों का सत्संग 22 को

नरवाना। श्री गुरु रविदास की जयंती के उपलक्ष्य में 22 जनवरी को एलआईसी रोड स्थित डा. भीमराव आंबेडकर भवन में सत्संग का आयोजन किया जाएगा। आंबेडकर सभा प्रधान डा. वीरेंद्र चौपड़ा व वरिष्ठ उपप्रधान फूल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सत्संग में डेरा बल्ला साहब जालंधर से बाबा निरंजन दास, डेरा सिरसगढ़ अंबाला से बाबा मनदीप दास, गुरू रविदास सेवा समिति नरवाना प्रदेशाध्यक्ष बाबा कृष्ण दास व अन्य संतों द्वारा अपनी मधुर वाणी से प्रवचनों की बरसात की जाएगी।

हेरोइन के साथ दो को किया गिरफ्तार

जींद। पुलिस द्वारा नशा तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना गढ़ी पुलिस ने 7.28 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उपनिरीक्षक इकबाल सिंह के नेतृत्व में टीम गांव गढ़ी बस अड्डा के पास अपराध रोकथाम ड्यूटी पर मौजूद थे। तभी सूचना मिली कि चीका (कैथल) निवासी सोनू तथा राहुल मोटरसाइकिल पर नशीला पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) बेचने की फिराक में पिपलथा से गढ़ी की ओर आ रहे हैं। पुलिस टीम ने गढ़ी-पिपलथा रोड पर नाकाबंदी की। एक बाइक पर सवार दो युवक पुलिस को देखकर मुडने लगे। पुलिस ने रोक कर तलाशी ली तो आरोपित राहुल की जैकेट की जेब से काली पॉलिथीन में 7.28 ग्राम हेरोइन हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई।

सांड चोरी करने का आरोपित गिरफ्तार

जींद। पुलिस ने सांड चोरी करने की घटना पर कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय आरोपित को गिरफ्तार किया है। एवीटी स्टाफ जींद प्रभारी उप निरीक्षक यशवीर सिंह ने बताया कि गांव करसोला के सरपंच महेन्द्र सिंह ने थाना जुलाना में शिकायत दी थी कि उनके गांव से दो सांड अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चोरी कर लिए गए हैं। तकनीकी आधार पर एवीटी स्टाफ को आरोपित गांव शामली उत्तर प्रदेश निवासी उसमान की संलिप्तता मिली। आरोपित पूर्व में भी पशु चोरी के मामलों में संलिप्त था। जो सेंट्रल जेल अंबाला में बंद था। न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट प्राप्त कर आरोपी को मुकद्दमें में शामिल तफ्तीश कर विधि अनुसार गिरफ्तार किया गया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपित की निशानदेही पर गांव करसोला से चोरी किए गए सांडों के चोरी स्थल एवं शामली पशु मंडी के पास बिक्री स्थल की पहचान करवाई गई। आरोपित के कैराना स्थित मकान से चोरी की रकम से बचे 4050 रुपये बरामद किए गए।

जिले में 58 खेल नर्सरियां 31 जनवरी के बाद होंगी बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिले के खेल नर्सरियां इस सत्र में 31 जनवरी के बाद बंद हो जाएंगी। फरवरी व मार्च महीने में बच्चों की परीक्षा के चलते यह नर्सरियां बंद होंगी। फिर अगले सत्र के लिए अप्रैल माह में खेल नर्सरियां नए सिरे से अलॉट होंगी।

इस बार जिले में 58 खेल नर्सरियां सरकारी स्कूलों व ग्राम पंचायतों में चल रही हैं। जबकि इससे पहले पिछले सत्र में 82 खेल नर्सरियां निजी संचालकों को अलॉट की गई थी। एक नर्सरी में 25 खिलाड़ी अभ्यास करते हैं। इसके अलावा

■ अप्रैल माह में खेल नर्सरियां नए सिरे से अलॉट होंगी

खिलाडिय़ों को बायोमेट्रिक हाजिरी लगाने में लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विभाग द्वारा पिछले साल अगस्त माह के बाद खिलाडिय़ों की बायोमेट्रिक मशीन से हाजिरी लगाने के निर्देश दिए गए थे। हाजिरी के आधार पर ही खिलाडिय़ों को डाइट राशि मिलती है। जिले में 58 खेल नर्सरी सरकारी स्कूलों व ग्राम पंचायतों में इस सत्र में अलाट हैं। पहले खिलाडिय़ों की हाजिरी रजिस्टर में दर्ज होती थी। अगस्त माह में खेल विभाग ने नर्सरी संचालकों को बायोमेट्रिक मशीन खरीदकर खिलाडिय़ों की हाजिरी लगवाने के निर्देश दिए थे। खिलाड़ी को महीने में 22 दिन हाजिरी लगानी अनिवार्य है। एक नर्सरी में 25 खिलाड़ी अभ्यास करते हैं। खेल विभाग की ओर से आठ से 14 वर्ष के खिलाडिय़ों को 1500 और 15 से 19 वर्ष के खिलाडिय़ों को दो हजार रुपये की राशि दी जाती है।

खिलाड़ियों की हाजिरी को लेकर हो रही परेशानी

जिला खेल अधिकारी रामपाल हुड्डा ने बताया कि खिलाडिय़ों की हाजिरी को लेकर आ रही परेशानी के बारे में मुख्यालय को अवगत करवा दिया गया है। जल्द ही मुख्यालय की ओर से इस समस्या का समाधान किया जाएगा। 31 जनवरी के बाद इस सत्र की खेल नर्सरियां बंद हो जाएंगी। दो महीने तक नर्सरियां बंद रहेंगी। अप्रैल माह में नई खेल नर्सरियां अलाट होंगी। विभाग ने इस सत्र में चल रही खेल नर्सरियों की जानकारी मांगी हैं। ताकि जरूरत के हिसाब से अगले सत्र में इसमें से अच्छी खेल नर्सरियां विभाग अलाट कर सके। खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

अस्पताल में हृदय से संबंधित बीमारियों की जांच नही उपलब्ध

50 साल बाद भी जींद को नहीं मिली हृदय रोग विशेषज्ञ सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल की बिल्डिंग 1975 में बनाई गई थी। तब से लेकर आजतक जोखिम भरी स्वास्थ्य सेवाओं से जींद जिला मरहूम ही रहा है। इतना जरूर है कि अस्पतला सौ से 200 बैड का हो चुका है।

आज तक सरकारी अस्पतालों में हृदय रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं हो पाया है और न ही इस बीमारी से संबंधित जांच की कोई सुविधा है। हालांकि हैबतपुर गांव में संत शिरोमणि धन्ना भगत के नाम से मेडिकल कालेज जरूर शुरू हो गया है लेकिन केवल औपचारिकता के रूप में यहां ओपीडी ही शुरू हो पाई है। यहां फिलहाल कोई चिकित्सक नही है और डेपुटेशन से काम चलाया जा रहा है। नागरिक अस्पताल से ही चिकित्सक जाकर यहां ओपीडी करते हैं। आज तक जिले की सरकारी सेवाओं में एमआरआई की सुविधा भी उपलब्ध नहीं हो पाई है। इन बीमारियों से संबंधित लोगों को निजी अस्पतालों में इलाज करवाना पड़ता है। लोगों को आर्थिक हानी उठानी पड़ती है।

- मेडिकल कालेज में अभी केवल औपचारिक रूप से ओपीडी शुरू
- चिकित्सकों की कमी से प्रभावित होती हैं स्वास्थ्य सेवाएं

नागरिक अस्पताल को ईएनटी चिकित्सक की दरकार

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल को एक ईएनटी चिकित्सक की तुरंत प्रभाव से दरकार है। अस्पताल में ईएनटी विशेषज्ञ डा. अरविंद हैं लेकिन उन पर प्रशासनिक भार अत्यधिक होने के चलते नाक, कान, गले के मरीजों को ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं। ऐसे में मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। डा. अरविंद पर ही गला, नाक और कान से संबंधित मरीजों का भार आ गया है। अस्पताल प्रशासन ने ईएनटी विशेषज्ञ उपलब्ध करवाने क स्वास्थ्य निदेशालय को पत्र लिख दिया है लेकिन अभी तक ईएनटी विशेषज्ञ मिला नहीं है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों के लिए स्वास्थ्य निदेशालय को लिखा पत्र : पीएमओ

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि विशेषज्ञ चिकित्सकों के लिए लगातार स्वास्थ्य मुख्यालय से पत्राचार किया जाता है। अस्पताल में ईएनटी सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों के लिए निदेशालय को पत्र लिखा गया है। मरीजों को परेशानी नहीं आने दी जा रही है।

चिकित्सकों की कमी से प्रभावित होती हैं स्वास्थ्य सेवाएं

जींद की बात की जाए तो यहां मुख्यालय पर 55 एमओ (मेडिकल अफसर) के पद हैं। जिन पर सभी चिकित्सक मौजूद हैं लेकिन विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है। सीनियर मेडिकल ऑफिसर के 32 स्वीकृत पदों में से सिर्फ 12 ही भरे हुए हैं। 20 पद खाली हैं। मेडिकल ऑफिसर के जिला में 225 पदों में से 95 पद रिक्त हैं। इसका सीधा असर ओपीडीए वार्ड और इमरजेंसी सेवाओं पर पड़ रहा है। वहीं डॉक्टरों की कमी के साथ-साथ पैरामेडिकल स्टाफ की कमी भी मरीजों की परेशानी बढ़ा रही है। एमपीएचडब्ल्यू के 186 पदों में से 62 पद खाली हैं। फार्मासिस्ट के 66 स्वीकृत पदों में से सिर्फ 33 ही भरे हैं। स्टाफ नर्स के 274 पदों में से 16 पद रिक्त हैं। जबकि लैब टेक्नीशियन, रेडियोग्राफर और ओटीए जैसे अहम पदों पर भी स्टाफ की कमी है। वहीं मेडिकल कॉलेज में भी नागरिक अस्पताल से 15 चिकित्सक डेपुटेशन पर काम कर रहे हैं। स्थिति यह है कि न तो मेडिकल कॉलेज में पूरा स्टाफ है और न नागरिक अस्पताल में पूरा स्टाफ। है। ऐसे में गंभीर मरीजों को तुरंत खानपुर या रोहतक पीजीआई का रास्ता दिखा दिया जाता है।

नशा तस्कर को किया काबू

कैथल। पुलिस चौकी महमूदपुर की टीम ने नाकाबंदी के दौरान नशा तस्कर को काबू कर उसके कब्जे से 1 किलो 100 ग्राम डोडा पोस्त व 2 लीटर नाजायज शराब बरामद की है। चौकी महमूदपुर पुलिस प्रभारी एसआई राजबीर सिंह की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति पंजाब से नाजायज शराब लेकर मोटरसाइकिल पर गुजरने वाला है। जिसे नाकाबंदी करके भारी मात्रा में नाजायज शराब सहित काबू किया। गुप्त सूचना पर पुलिस टीम द्वारा धनेठा-शादीपुर सड़क पर गुरुद्वारे के पास नाकाबंदी की गई। इस दौरान एक बाइख चालक पुलिस को देखकर भागने लगा, जिसे तत्परता दिखाते हुए काबू कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम जसकरण सिंह निवासी घयोरा (पंजाब) बताया। तलाशी में उसके पास से एक प्लास्टिक बोतल में 2 लीटर नाजायज शराब व एक पॉलिथीन में 1 किलो 200 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। थाना गुहला में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एएसआई बलजीत सिंह ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रविवार को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

चौकी महमूदपुर पुलिस गिरफ्त में तस्कर।

पुलिस व गो रक्षा दल ने पकड़ा गोवंश से भरा कंटेनर

कैथल। चंदाना गेट पर रविवार अल सुबह करीब 3 बजे गोरक्षा दल व पुलिस की टीम ने गोवंश से भरे एक कंटेनर को पकड़ा। यह कंटेनर वीआईपी ट्रीटमेंट के तहत स्विफ्ट गाड़ी के पीछे लगा गोवंशों को ठूंस-ठूंसकर मेवात जा रहा था। पंजाब के बठिंडा से आगे स्विफ्ट डिजायर कार लगाकर रास्ता क्लियर कराया जा रहा था। जबकि पीछे कंटेनर में गोवंशों को ठूंसा गया था। गोवंश इस तस्करी की सूचना पटियाला की गोरक्षा दल की टीम से मिलने के बाद अल सुबह करीब 3 बजे गोरक्षा दल के सदस्यों ने कार्रवाई की। जैसे ही गाड़ी व कंटेनर चंदाना गेट पर पहुंचे तो टीम ने कंटेनर को रोककर 26 गोवंश का रेस्क्यू किया। स्विफ्ट डिजायर कार में सवार आरोपी मौके से फरार हो गए। जबकि कंटेनर चालक को मौके पर ही काबू कर लिया। गो रक्षा दल कैथल के जिला अध्यक्ष बलकार सिंह ने बताया कि पकड़े गए चालक की पहचान मेवात जिले के मुल्थान निवासी मुफीद के रूप में हुई। पुलिस टीम की मौजूदगी में कंटेनर की तलाशी ली, जिसमें 15 नंदी एवं 11 गायों को अमानवीय तरीके से ठूंस-ठूंस कर भरा गया था। सभी गोवंशों को गोपाल गौशाला में पहुंचाया गया। जिला अध्यक्ष बलकार सिंह ने कहा कि गौ तस्करी करने वालों के खिलाफ गौ रक्षा दल का अभियान लगातार जारी रहेगा। गोवंश की रक्षा के लिए किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। इस संबंध में पुलिस को भी शिकायत दे दी गई है। जल्द ही मामले में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी।

■ जल्द ही मामले में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी

नया बस अड्डा जलेबी चौक के पास 150 गायों के लिए स्थायी इंतजाम की मांग

80 वर्षीय दंडी स्वामी का अनशन दूसरे दिन भी जारी

जींद। नया बस अड्डा के निकट जलेबी चौक के पास कुटिया आश्रम कुरुक्षेत्र निवासी 80 वर्षीय कृष्णा आश्रम दंडी स्वामी महाराज ने अपना धरना रविवार को दूसरे दिन भी जारी रखा। उन्होंने कहा कि लगभग 150 गाय जो कि कैथल बाईपास के पास में श्री श्याम गौ सेवा समिति के नाम से एक अस्थायी गोचरण में रहती थी, वह जमीन बिक्री होने के कारण यह गाय बेसहारा हो गई हैं। इनके लिए जलेबी चौक के पास अस्थायी इंतजाम करवाया जाए। यहां दंडी स्वामी ने दूसरे गोभक्तों की सहायता से गोवंश के लिए अस्थायी शेड बनवाना शुरू किया तो एनएचएआई ने सिविल लाइन थाना में शिकायत कर दी। इसके बाद अस्थायी शेड का काम रुक गया।

डीसी, मुख्यमंत्री, राज्यपाल से लेकर प्रधानमंत्री तक को पत्र लिखा

वहीं अब खुले आसमान के नीचे रात गुजारने पर मजबूर गोवंश की जान बचाने के लिए कृष्ण आश्रम दंडी स्वामी ने खुद अपनी जान भी दांव पर लगा दी है। उन्होंने कहा कि गोवंश के लिए अस्थायी शेड को लेकर डीसी, मुख्यमंत्री, राज्यपाल से लेकर प्रधानमंत्री तक को पत्र लिखा है। दंडी स्वामी ने कहा कि 150 से ज्यादा गोवंश की जान बचाने के लिए वह जलेबी चौक पर तिरपाल से केवल अस्थाई शेड बना रहे थे। सर्दी के बाद इसे वह खुद हटा देते। उनकी और उनके साथ गोवंश की जान बचाने की इस मुहिम में जुड़े लोगों की मंशा इस सरकारी जमीन पर कब्जे की कतई नहीं है। जब तक गायों को सर्दी से बचाने के लिए सही इंतजाम नहीं हो जाता, वह अन्न का एक दाना भी वह ग्रहण नहीं करेंगे।

अनशन पर बैठे दंडी स्वामी।

घर में शांति चाहते हैं तो मन की शांति जरूरी: अभिषेक मुनि

जींद। अरूण चंद्र महाराज के विहार में शामिल महिलाएं।

उचाना। गुरू मया मदन सुदर्शन संघ प्रमुख अरूण चंद्र महाराज के शिष्य अभिषेक मुनि ने प्रवचन में कहा कि घर में शांति चाहते हो तो सबसे पहले अपने मन में शांति जरूरी है। मन में शांति होगी तो घर में शांति होगी। घर में शांति होगी तो लक्ष्मी का आगमन होगा। जिस घर में शांति नहीं होती वहां लक्ष्मी का वास नहीं होता है। शहरों में लोगों ने धन तो कमा लिया लेकिन मन की शांति नहीं मिल रही है। गांवों में लोगों ने धन नहीं कमाया लेकिन मन की शांति को पाया है। गांव के लोगों के अंदर जो सेवा भाव होता है वैसी सेवा भाव कही मुश्किल से मिल पाती है। उन्होंने कहा कि परिवार में सुख, शांति के लिए सबसे पहले आपको अपने मन पर कंट्रोल करना होगा। जब तक मन पर कंट्रोल नहीं होगा तो शांति मन को नहीं मिल सकती है। माता-पिता का सम्मान जीवन में करना चाहिए। माता-पिता का सम्मान न करेंगे कितनी ही पूजा-अर्चना कर लो उसका कोई फायदा नहीं है। माता-पिता की सेवा करके तीर्थ के बराबर पुण्य प्राप्त किया जा सकता है। अभिषेक मुनि ने कहा कि प्रवचन में आने के बाद वहां सुने जाने वाले वचनों पर अमल करना चाहिए। दनौदा से विहार करके जा रहे अरूण चंद्र महाराज का मंगल गीत गाकर अभिनंदन किया।

कलायत में चोरों ने किसानों की हजारों की बिजली के तार चुराए

कलायत। कलायत में शनिवार रात्रि चोरों ने सजूमा रोड पर खेतों में चार किसानों के ट्यूबवेल बोर से कीमती बिजली के तार काटकर चोरी कर लिए। घटनाओं से किसानों को बड़ी आर्थिक चोट पहुंची है। चोरी की जानकारी किसानों को रविवार सुबह खेतों में पहुंचने पर मिली।

इसके बाद किसानों की बैठक हुई और ठोस कार्रवाई के लिए पुलिस का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया गया। कलायत पुलिस स्टेशन पहुंचे गोपाल सिंह नंबरदार, शमशेर, संत और मुकेश कुमार ने बताया कि शनिवार रात करीब 8 से 9 बजे के बीच खेतों से घर लौटे थे। सुबह वापस आने पर चारों ट्यूबवेलों की केबल कटी मिली।

किसानों का आरोप: कलायत नगर और आसपास के इलाकों में अब तक बड़ी संख्या में ट्यूबवेलों से महंगी केबल चोरी हो चुकी है। किसानों ने प्रशासन से जल्द से जल्द चोरों को गिरफ्तार कर नुकसान की भरपाई की मांग की है।

जल्द पकड़े जाएंगे चोर

पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया है। थाना प्रभारी बलबीर सिंह ने बताया कि किसानों की शिकायत अनुसार खेतों में जाकर साक्ष्य जुटाए हैं। उन्होंने किसानों को आश्वासन देते हुए कहा कि गश्त बढ़ाई जाएगी। जल्द ही चोर गिरोह पुलिस की गिरफ्त में होगा।

घने कोहरे में सावधानी से चलाएं वाहन: डीसी

जींद। हरियाणा सरकार ने आमजन सहित पशुओं को सर्दी व शीतलहर से बचाव को लेकर विशेष एडवाइजरी जारी की है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने नागरिकों से शीतलहर व सर्दी से बचाव के लिए एडवाइजरी की पूर्ण रूप से पालना करते हुए सावधानी बरतने की अपील की है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि आमजन सावधानी बरतकर सर्दी से अपना व अपने पशुओं का बचाव कर सकते हैं। सर्दी से बचाव के लिए आमजन अपने पास पर्याप्त कपड़ों का स्टॉक करें। घर में ठंडी हवा का प्रवेश रोकने के लिए दरवाजों तथा खिड़कियों को ठीक से बंद रखें। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं। गर्म तरल पदार्थ नियमित रूप से पीएं। इससे ठंड से लडने के लिए शरीर की गर्मी बनी रहेगी। शराब का सेवन न करें, यह शरीर के तापमान को कम करता है।

■ शीतलहर व ठंड से बचाव के लिए सावधानी बरतें नागरिक

मौसम कृषि विशेषज्ञों ने फसलों पर नजर बनाए रखने की दी सलाह

दिनभर नहीं हुए सूर्यदेव के दर्शन, कड़ाके की ठंड से आमजन बेहाल, पहाड़ों की तरफ से चली हवा से और बढ़ी ठिठुरन

हरिभूमि न्यूज ▶▶|जींद

कड़ाके की ठंड ने आमजन को बेहाल कर दिया है। दिनभर सूर्य देवता के दर्शन नही हुए। जिससे पूरा दिन ठिठुरन का अहसास होता रहा है। पहाडों की तरफ से चली ठंडी हवा से कंपकपी छुटती रही।

तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। ठंड से बचने के लिए लोगों को अलावा का सहारा लेते देखा गया। रविवार को अधिकतम तापमान 16 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान छह डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 77 प्रतिशत तथा हवा की गति छह किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार मौसम परिवर्तनशील तथा शुष्क बना रहेगा। ठंड के साथ धुंध व कोहरा भी छाने की संभावना है।

दिनभर नही हुए सूर्य देव के दर्शन, छाए रहे बादल

मंगलवार को दिन का आगाज कडाके की ठंड के साथ हुआ। सुबह के समय हलकी धुंध रही। दिन चढऩे के साथ ही हवा की गति तेज होती चली गई और ठिठुरन बढ़ती चली गई। हालांकि किसान अब बारिश का इंतजार कर रहे हैं। अगर बारिश होती है तो यह फसलों के लिए सोने पर सुहागा साबित होगा। रविवार को छुट्टी होने के चलते कम लोग ही बाहर निकले। लोगों ने जल्दी से काम निपटाया और घरों में दुबक गए।

जींद। सुबह के समय छाई हलकी धुंध।। फोटो : हरिभूमि

कृषि विशेषज्ञों ने फसलों पर नजर बनाए रखने की दी सलाह

मौसम परिवर्तनशील तथा शुष्क बना हुआ है। तापमान में आंशिक उतार चढ़ाव भी बना हुआ है। जो फसलों के अनुकूल बना हुआ है। हलकी बूंदाबांदी हो चुकी है। धुंध भी पड़ रही है। बीच-बीच में सूर्य भी दिखाई दे रहे हैं। जिससे फसलों को अच्छा फायदा पहुंच रहा है। मौसम में नमी होने के कारण फसलों में बीमारिया आने का खतरा भी बना रहता है। ऐसे में किसान फसलों पर नजर बनाए रखें। बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर कृषि विशेषज्ञों से संपर्क कर उपचार करें। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। तापमान में गिरावट आ रही है। आकाश में बादलवाई है। बारिश होती है तो किसानों फायदा होगा। रबी फसलों के लिए मौसम अनुकूल है।

बदला मौसम: कैथल में तापमान डिग्री 6 तक पहुंचा

कैथल। पिछले तीन दिनों से लगातार चल रही शीतलहर ने रविवार को पूरी तरह से ठिठुरन बढा दी है। सुबह व शाम के साथ अब दिन में भी ठंड का असर साफ नजर आ रहा है। सर्द हवाओं के चलते लोगों की कंपकंपी छूट रही है और जनजीवन प्रभावित हो गया है। मौसम विभाग अनुसार इन दिनों करीब 14 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिससे तापमान में और गिरावट दर्ज की गई है। रविवार को भी न्यूनतम तापमान 6 डिग्री दर्ज किया गया। इसी प्रकार से अधिकतम तापमान भी घटकर 15 से 14 डिग्री पर पहुंच गया है। यह जनवारी माह में अब तक का सबसे कम अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है। ठंड के बढ़ते असर के बीच सोमवार तक बारिश की संभावना भी जताई गई है। अगर बारिश होती है तो ठंड और ज्यादा बढ़ सकती है। मौसम विभाग ने बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। अलाव, गर्म कपड़े और गरम पेय लोगों के सहारे बने हुए हैं, लेकिन शीतलहर से फिलहाल राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

रादौर: ठंड बढ़ने से खिले किसानों के चेहरे

राजौंद। आसमान पर छाए बादलों के कारण ठंड का एहसास ओर बढ़ गया है। एक तरफ जहां सर्दी आम जनता के लिए असहनीय होती है, वहीं गेहूं की फसल के लिए सर्दी व कोहरा वरदान साबित हो रहे है। किसान जहां सर्दी व कोहरे के बावजूद भी अपनी फसलों की सिंचाई में लगा हुआ है, इस सर्दी से किसानों को जहां अपनी गेहूं की फसल से अच्छी पैदावार होने की उम्मीद है। वहीं ठंड का असर सभी के लिए भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। आसमान पर घने बादलों के कारण लोगों को पिछले एक सप्ताह से सूर्य देव के दर्शन नही हुए। शाम होते ही एक बार फिर सभी बाजार व सड़के सुनसान होनी शुरू हो गई। बादलों के कारण सर्दी का एहसास लोगों को ओर भी ज्यादा महसूस होता दिखाई दिया।

जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।

- मुंशी प्रेमचंद

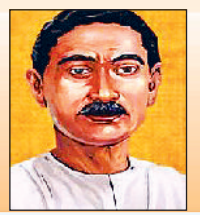

पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया।

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना।

कहानी

डॉ. मधुकांत

कुंवारे नेता जिंदाबाद

दिसंबर की सर्द हवाएं जब देश के उत्तरी हिस्सों में ठिठुरन पैदा कर रही थीं, तब गोवा की सुनहरी रेत और लहरों का शोर चार दोस्तों के स्वागत के लिए तैयार था। अद्विक, अमन, विधान और अयांश—ये चार नाम नहीं, बल्कि एक अटूट दोस्ती की मिसाल थे। हर साल की तरह इस बार भी नए साल का जश्न मनाने के लिए उन्होंने गोवा के एक आलीशान पांच सितारा होटल को अपना ठिकाना बनाया। यह होटल उनकी सफलता और उनकी मेहनत की कमाई का गवाह था। होटल में दो 'कनेक्टिंग रूम' बुक किए गए थे। इन कमरों की खासियत यह थी कि इनके बीच का दरवाजा खोलते ही ये एक विशाल सुइट में तब्दील हो जाते थे। चारों दोस्तों ने कमरे में घुसते ही सबसे पहला काम उस दरवाजे को खोलने का किया। यह दरवाजा केवल लकड़ी का नहीं था, बल्कि उनके बीच के खुलेपन और पारदर्शिता का प्रतीक था।

30 से 32 वर्ष की उम्र के ये चारों युवा न केवल शारीरिक रूप से फिट थे, बल्कि अपने करियर में भी ऊंचाइयों को छू रहे थे। उनकी एक और समानता यह थी कि वे सभी अभी तक 'सिंगल' थे और अपनी इस आजादी का भरपूर आनंद ले रहे थे। अद्विक, अमन और विधान कमरे में पहुँच चुके थे और सामान व्यवस्थित कर रहे थे। अद्विक ने घड़ी की ओर देखते हुए कहा, 'अरे भाई, हम तीनों तो समय पर आ गए, लेकिन अयांश का अभी तक कोई अता-पता नहीं है। दिल्ली में बैठकर बड़ी-बड़ी हांक रहा था कि इस बार सबसे पहले पहुँचकर तुम लोगों का स्वागत करूँगा।'

अमन ने खिड़की से समुद्र की लहरों को निहारते हुए मुस्कुराकर कहा, 'अरे अद्विक, तू अयांश को नहीं जानता? वह वादाखिलाफी नहीं करता। वह असल में हम सबसे पहले पहुँचा है। रिसेप्शन पर पता चला कि वह सीधे बीच पर लहरों से टकराने चला गया है। शाम ढल रही है, अब उसके आने का ही वक्त है।'

अभी बात चल ही रही थी कि कमरे का दरवाजा धड़धड़ाते हुए खुला। कंधे पर गिटार टांगे और चेहरे पर सूरज की तपिश लिए अयांश ने प्रवेश किया।

'मैं आ गया दोस्तों! सुना है कोई मुझे याद कर रहा था?' अयांश की आवाज में वही पुरानी खनक थी। चारों दोस्त एक-दूसरे के गले मिले। खुशी का आलम यह था कि अयांश ने वहीं थिरकना शुरू कर दिया। उसकी यह पुरानी आदत थी- जब भी वह भावुक या खुश होता, उसके पैर अपने आप थिरकने लगते। देखते ही देखते बाकी तीनों भी उसके साथ नाचने लगे। होटल का वह कमरा उनकी हंसी और ठहाकों से गूंज उठा। कुछ देर की मस्ती के बाद अयांश ने अद्विक के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'अद्विक भाई, तू तो हमारा 'इवेंट मैनेजर' है। साल खत्म होने में कुछ ही घंटे बचे हैं और अभी तक ग्लास खाली हैं? तैयारी कहाँ तक पहुँची?'

अद्विक ने रहस्यमयी मुस्कान के साथ बगल वाले कमरे की ओर इशारा किया, 'सब इंतजाम पक्का है मेरे दोस्त। उस कमरे में चल, वहाँ जन्नत सजी है।' चारों दोस्त बगल वाले कमरे में पहुँचे, जहाँ एक गोल मेज पर दुनिया भर की बेहतरीन ड्रिंक्स, स्नैक्स और डिनर का प्रबंध था। अद्विक ने बड़ी कुशलता से पैग बनाने शुरू किए। पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया। अयांश की 'शहीद' होने वाली कहानी बातों का सिलसिला निकला तो अमन ने अयांश की ओर देखते हुए पूछा, 'अरे अयांश, पिछले हफ्ते तू फोन पर बहुत परेशान था। कह रहा था कि घर में 'इमरजेंसी' है। फिर तूने बताया नहीं कि उस शादी वाले मामले का क्या हुआ?'

अयांश ने एक लंबी और राहत भरी सांस ली। 'भाई, मैं तो मौत के मुँह से वापस आया हूँ। तुम्हें तो पता है मेरे पापा मिलिट्री से रिटायर हुए हैं। उनके लिए अनुशासन और आदेश ही सब कुछ है। पिछले दो साल से उन्होंने मेरी शादी को अपना एकमात्र मिशन बना लिया था। इस बार मम्मी ने फोन किया कि उनकी तबीयत बहुत खराब है, मुझे तुरंत घर आना होगा। मैं घबराकर दिल्ली से गाँव पहुँचा, तो देखा मम्मी बिल्कुल भली-चंगी रसोई में पकौड़े तल रही हैं।' अयांश ने आगे बताया, 'तभी घर की घंटी बजी और पापा के जिगरी दोस्त अपनी बेटी के साथ प्रकट हुए। सब कुछ पहले से फिक्स था। मुझे और उस लड़की को बात करने के लिए ऊपर के कमरे में भेज दिया गया। मैं पसीने-पसीने हो रहा था कि अब मना कैसे करूँ? तभी उस लड़की ने ही मोर्चा संभाल लिया। उसने कमरे में घुसते ही कहा- 'देखिए, मेरा एक बॉयफ्रेंड है और मैं उसी से शादी करूँगी। मेरे पापा जबरदस्ती यहाँ लाए हैं। आप मना कर दीजिए।' मुझे लगा जैसे भगवान खुद मदद करने आए हैं। मैंने भी उससे कह दिया कि मैं भी शादी नहीं करना चाहता, पर मेरे पापा 'हिटलर' हैं। अगर मैं सादगी से मना करूँगा, तो वह मेरी खाल खींच लेंगे।'

फिर हमने एक योजना बनाई। अयांश खिलखिलाकर बोला। 'जैसे ही मम्मी चाय लेकर कमरे में आईं, हमने जानबूझकर चिल्लाना शुरू कर दिया। मैंने कहा—'मम्मी, यह लड़की तो बहुत बदतमीज है, इसे बड़ों से बात करने की तमीज नहीं है।' लड़की भी मंझी हुई कलाकार निकली, उसने तुरंत चिल्लाकर कहा कि मैंने उसकी माँ के बारे में अपशब्द कहे हैं। नीचे हॉल में ऐसा हंगामा हुआ कि रिश्ता जुड़ने से पहले ही जलकर राख हो गया। वे लोग बिना चाय पिए भाग गए और मैं अपनी आजादी लेकर वापस आ गया।' अयांश का तर्क स्पष्ट था- 'अभी मेरा करियर है। 32 साल की उम्र में मैं प्राइवेट सेक्टर में 12-12 घंटे काम करता हूँ, तब जाकर प्रमोशन मिलता है। शादी के बाद मैं न ऑफिस को समय दे पाऊँगा और न ही खुद को। इसलिए, 'नो शादी, नो बच्चे'।

"और शादी का सुख ?" अद्विक ने नया प्रसंग छेड़ दिया। "शादी का सुख लेने की बात आपने खूब कहीं। किसी भी लाइक माइंडेड लड़की के साथ दोस्ती करो। जब तक विचार मिले उनके साथ रिलेशन में रहो। मन उब जाए, तब साथ छोड़कर अलग-अलग हो जाओ। खाओ पियो मौज उड़ाओ, न किसी को अपनाने का झंझट, न तलाक देने की परेशानी..।" विधान, जो अब तक शांत बैठा था, बोला, 'अयांश, तूने तो ड्रामा करके खुद को बचा लिया, लेकिन मेरे पड़ोस में रामू आंटी के बेटे का हाल देखो तो रूह कांप जाती है। उसने दहेज और रसूख के लालच में एक बहुत अमीर लड़की से शादी की। आज स्थिति यह है कि उस लड़की ने अपनी अकड़ में बेचारी रामू आंटी को ओल्ड एज होम भेज दिया है। वह लड़का अपने ही घर में एक नौकर की तरह रहता है। उसकी कोई अपनी इच्छा नहीं बची। जब मैं उसे देखता हूँ, तो मुझे लगता है कि अकेले रहकर चैन की नींद सोना किसी भी आलीशान महल की गुलामी से बेहतर है।'

अंत में सबकी निगाहें चौथे दोस्त पर टिकीं। वह शांत, गंभीर और हमेशा खादी के कुर्ते में रहने वाला व्यक्ति था, जिसे सब प्यार से 'नेताजी' बुलाते थे। अद्विक ने पूछा, 'नेताजी, आप तो समाजसेवा की बातें करते हैं। आप क्यों इस गृहस्थी के झमेले से दूर रहना चाहते हैं?' नेताजी ने अपने चश्मे को ठीक किया और बहुत गंभीरता से कहा, 'दोस्तों, मेरा लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सुख नहीं, बल्कि समाज की सेवा है। राजनीति की बिसात पर कुंवारा होना एक बहुत बड़ी ताकत है। इसके पीछे मेरे अपने ठोस तर्क हैं।' उन्होंने उंगलियों पर गिनवाते हुए कहा 1. समय की प्रचुरताः एक शादीशुदा नेता हमेशा घर और जनता के बीच बंटा रहता है। मुझे न घर की चिंता करनी है, न बच्चों के स्कूल की। मेरा 24 घंटा जनता का है।

2. ईमानदारी की छविः जनता उस नेता पर ज्यादा भरोसा करती है जिसके आगे-पीछे कोई न हो। लोग सोचते हैं कि यह किसके लिए भ्रष्टाचार करेगा? इसका तो कोई वारिस ही नहीं है।

3. विरासत का मोह नहींः हमने देखा है कि बड़े-बड़े नेताओं के बिगड़ैल बेटे ही अपने पिता की मेहनत पर पानी फेर देते हैं। परिवारवाद की जड़ ही परिवार है। जब परिवार ही नहीं होगा, तो मोह कहाँ से आएगा? भारत के इतिहास में भी देखो, कई बड़े मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कुंवारे रहे हैं और उनकी छवि बेदाग रही है। नेताजी की बातों में एक अलग ही गहराई थी। उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, 'मैंने तय किया है कि मेरा जीवन किसी एक स्त्री या बच्चे के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर उस बच्चे के लिए होगा जिसे मेरी जरूरत है। इसलिए-नो शादी, नो बच्चे, बस सेवा!

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना। संगीत तेज हुआ, आतिशबाज़ी से आसमान रंगीन हो गया और इसी के साथ नए साल का आगाज हुआ। वे चारों दोस्त, जो समाज की नजर में शायद 'अधूरे' थे, अपनी नजरों में पूरी तरह 'मुकम्मल' महसूस कर रहे थे।

कविता

सुधीर ढांडा कौल

डंडे की मार

जानवरों से मुझे लगाव बहुत है,
उन्हें पालने का चाव बहुत है।

एक साथ बिल्ली बंदर कुत्ते को पाला,
सफ़ेद कुत्ता, भूरा बंदर, बिल्ली
का रंग था काला।

थी तीनों की गजब की यारी,
बिल्ली कुत्ते खेलते,बंदर करता सवारी।

एक ही कटोरे में तीनों खाते थे,
एक दूसरे से लिपटकर सोते थे।

बंदर को मै गाड़ी पर ले जाता था,
कुत्ता बिल्ली के पास घर पर रहता था।

अपने हाथों से खाना उन्हें खिलाता था,
दूध कटोरे में खूब उन्हें पिलाता था।

एक दिन मेरी माँ ने गुस्से में
बिल्ली को डंडा मार दिया

और उस प्यारे कुत्ते को भी घर
से बाहर निकाल दिया।

डंडे से बिल्ली की टाँग टूट गई,
बिल्ली का दर्द देख माँ रूठ गई।

मां ने मरहम बनाई और बिल्ली
की टाँग पर लगाई,

बहुत दिनों बाद बिल्ली बेचारी
थोड़ा थोड़ा चल पाई।

बिल्ली घर से दौड़ गई,
कुत्ते की हो मौत गई,

बंदर को मैंने छोड़ दिया,
जानवरों से नाता तोड़ दिया।

सुधीर टूट गई तीनों की यारी, ये
थी बातें बचपन की सारी।

इसमें कुछ भी झूठ नहीं है,मेरे
पास फोटो जैसा सबूत नहीं है।

कविता

मनोज वशिष्ठ

विश्व वीर विवेकानंद

उठा शिखर से घोष एक, जो सागर पार सुनाया था,
सोए भारत की अंतस को, जिसने आन जगाया था।
गेरुआ वसन, ललाट पे तेज, आँखों में करुणा की धार,
वह संन्यासी नहीं मात्र, था भारत का ही अवतार।

शिकागो की उस सभा बीच, जब गूँजा 'भ्राता-भगिनी' स्वर,
स्तब्ध रह गया विश्व सकल, झुक गया गर्व से मस्तक पर।
वेदांत की पावन वाणी से, जग का संशय दूर किया,
पश्चिम की भौतिक चकाचौंध में, अध्यात्म का नूर दिया।

कहा उन्होंने— उठो! जागो! मत रुको राह के रोड़ों से,
मंजिल तुमको ही चुननी है, संघर्षों के इन घोड़ों से।
शक्ति ही जीवन का सच है, कमजोरी बस एक मृत्यु है,
वीर वही जो अडिग खड़ा, चाहे सम्मुख काल-नृत्य है।

₹मनुष्य-निर्माण₹ ही लक्ष्य रहे, वह शिक्षा असली कहलाती,
जो दीन-दुखी के आँसू पोंछे, वह भक्ति सच्ची कहलाती।
लोहे की हों मांसपेशियाँ, फौलादी जिनका सीना हो,
विवेकानंद के सपनों का, भारत ऐसा नगीना हो।

रेवाड़ी की पावन माटी से, हम यह संकल्प दोहराते हैं,
'विज़न 2026' के पथ पर, हम बढ़ते ही जाते हैं।
हाथों में विज्ञान रहे, और मन में संचित संस्कार रहें,
हम विवेकानंद के अनुयायी, राष्ट्र-प्रेम के आधार रहें।

लघुकथा

डॉ . तबस्सुम जहां

आत्मा का अंश

शिष्यः गुरुजी, आत्मा क्या है?गुरुजीः वत्स, आत्मा एक ऊर्जा है, जो चिरकाल से ब्रह्मांड में विचरण करती है — जैसे असंख्य तारे, ग्रह और धूमकेतु।

शिष्यः और गुरुजी, आत्मिक जुड़ाव क्या होता है?

गुरुजीः जब हमारी आत्मा का कोई अंश एक जन्म से दूसरे जन्म तक किसी को पाने को व्याकुल हो उठता है, जब किसी अनजाने से बिना मिले ही गहरा जुड़ाव महसूस होता है — तब समझना चाहिए कि आत्मा का वह अंश अपने दूसरे हिस्से से मिलने को आतुर है। वह मिलकर पूर्णता की ओर बढ़ना चाहता है।

शिष्यः परंतु गुरुदेव, आत्मा के वे दो हिस्से, दो व्यक्ति, कैसे मिलेंगे?

गुरुजीः वत्स, नियति चाहे जितनी राहें मोड़े, आत्माएँ अपने हिस्सों को ढूंढ ही लेती हैं। जो होना है, वह होकर ही रहता है।

शिष्यः क्या यह ज़रूरी है कि दोनों में प्रेम भी हो? जबकि मिलन से पहले उनके जीवन के मार्ग अलग-अलग हो चुके हैं?

गुरुजीः यही तो नियति की लीला है वत्स। आत्मा जिसे चुनती है, उससे वह प्रेम मांगती नहीं , बस देती है। यह प्रेम देह या मन का नहीं होता, यह निस्वार्थ होता है। आत्मा न किसी शर्त को जानती है, न किसी बंधन को मानती है।

शिष्यः और यदि दूसरा व्यक्ति उस प्रेम को न समझे?

गुरुजीः समझेगा वत्स... समय आने पर अवश्य समझेगा। प्रारंभ में वह भ्रमित रहेगा, दूर भागेगा, कड़वे वचन कहेगा, तिरस्कार करेगा। किंतु जब सब शांत होगा, वह अपने भीतर झांकेगा — तब उसे यह ज्ञात होगा कि जिस प्रेम को वह ठुकरा रहा था, वह कोई साधारण आकर्षण नहीं था... वह उसकी ही आत्मा का एक विलग अंश था।

शिष्यः तब क्या होगा गुरुदेव?

गुरुजी (मुस्कुराते हुए): तब... वह मौन में प्रार्थना करेगा कि वह प्रेम फिर लौट आए। पर तब तक वह प्रेम किसी दूसरी ऊँचाई पर पहुँच चुका होगा। जहाँ से लौटना संभव नहीं होगा। क्योंकि आत्मा का वह अंश अपना कर्तव्य पूरा कर चुका होगा — निःस्वार्थ प्रेम देकर... किसी अपेक्षा के बिना।

'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहां के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है।

मंथन

डॉ. चंद्र त्रिखा

हरियाणवी साहित्य में शोध की नितांत आवश्यकता

हरियाणवी साहित्य' हरियाणा की उज्ज्वल सांस्कृतिक एवं बौद्धिक परंपरा की नींव है। सरस्वती से पोषित हरियाणा की धरती साहित्यिक दृष्टि से बहुत उपजाऊ रही है। इसे वेद, पुराण, गीता, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना-स्थली होने का गौरव प्राप्त है।

आधुनिक साहित्यिक परंपरा का आरंभ हर्षवर्धनकाल से माना जाता है।

इस काल में अनेक ब्राह्मण ग्रंथ एवं वेदों के स्पष्टीकरण हेतु धर्मसूत्र, उपनिषद्, मनुस्मृति, महाभारत आदि की रचना की गई। इसके अतिरिक्त अनेक काव्य धाराएं यथा जैन काव्यधारा, संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, वैष्णव भक्ति काव्यधारा आदि प्रवाहित हुई। विशाल 'हरियाणवी साहित्य' में जो साहित्य 'हरियाणवी' में लिखा गया, उसने हरियाणा को विशेष पहचान दी है।

'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहाँ के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद, हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं। नाथ-सिद्ध परंपरा से लेकर सूफी संतों की वाणियों तक और पंडित लखमीचंद के सांगों से लेकर आधुनिक कविता तक, इसका विस्तार बहुत बड़ा है, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है। विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में हरियाणवी साहित्य का हिस्सा न के बराबर है। जो थोड़ा बहुत साहित्य उपलब्ध है, वह या तो मौखिक परंपरा में है या फिर पुरानी, जीर्ण-शीर्ण पांडुलिपियों में बंद है।

'श्रुति परंपरा' पर आधारित है साहित्य का बड़ा हिस्सा

हरियाणवी साहित्य का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'श्रुति परंपरा' पर आधारित है। हमारे बुजुर्गों के पास लोकगीतों, किस्सों, मुहावरों और कहानियों का खजाना है। जैसे-जैसे पुरानी पीढ़ी जा रही है, यह खजाना भी लुप्त होता जा रहा है। शोध के माध्यम से इन मौखिक रचनाओं को लिपिबद्ध करना अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा आने वाली पीढ़ियों के लिए यह इतिहास हमेशा के लिए मिट जाएगा। हम पं. लखमीचंद, बाजे भगत या पं. मांगेराम जैसे बड़े रचनाकारों को तो जानते हैं, लेकिन हरियाणा के गांवों में ऐसे सैकड़ों कवि और रचनाकार हुए हैं जिनकी

रचनाएं अद्भुत हैं, लेकिन उन्हें कोई नहीं जानता। इसलिए अब आवश्यक है कि गांवों की खाक छानकर ऐसे गुमनाम रचनाकारों को खोजा जाए और उन्हें साहित्य के पटल पर स्थापित किया जाए।

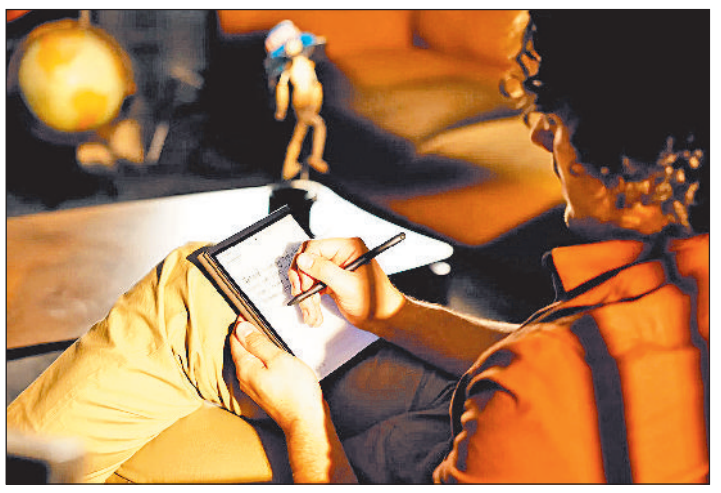

अतीत में इस दिशा में दिवंगत देवी शंकर प्रभाकर, शसाधुराम शारदा, प्रोफेसर लालचंद गुप्त मंगल रघुवीर मथाना, प्रोफेसर बाबूराम, डॉ. रामफल चहल, डॉ. राजेंद्र वत्स द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में हरियाणवी साहित्य के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया गया है। हरियाणवी भाषा एवं लिपि के क्षेत्र में डॉक्टर जगदेव सिंह द्वारा ठोस कार्य किया गया है। आवश्यकता है इस लग्न एवं प्रतिबद्धता के साथ इस कार्य को आगे बढ़ाया जाए।

ठोस कदम उठाने होंगे

शोध की दिशा में सकारात्मक बदलाव के लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। पुरानी पांडुलिपियों और ऑडियो रिकॉर्डिंग्स को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। एम.ए. और पीएच.डी. करने वाले छात्रों को हरियाणवी साहित्य पर शोध करने के लिए विशेष छात्रवृत्ति दी जानी चाहिए। ऐसे प्रोजेक्ट्स शुरू करने चाहिए जिनमें शोधकर्ता गांवों में जाकर लोक साहित्य इकट्ठा करें। यह केवल भाषा का सवाल नहीं है, बल्कि यह हरियाणवी अस्मिता और संस्कृति को बचाने का सवाल है। जब हम अपनी भाषा और साहित्य पर शोध करेंगे, तभी हम दुनिया को बता पाएंगे कि हरियाणवी केवल 'लठ्ठमार' बोली नहीं है, बल्कि इसमें जीवन का गहरा दर्शन, प्रेम और करुणा भी समाहित है।

हरियाणवी भाषा बांगरू, देशवाली, अहीरवाटी, कौरवी आदि के नाम से हर 20-30 किलोमीटर पर बदल जाती है। शोध की कमी के कारण इसका कोई एक मानक सर्वमान्य रूप विकसित नहीं हो पाया है। जब तक भाषा के व्याकरण और शब्दकोश पर गहरा शोध नहीं होगा, तब तक इसे शिक्षा के माध्यम के रूप में या संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने का दावा मजबूत नहीं हो पाएगा। हरियाणवी सांगों और रागनियों में उस समय की सामाजिक कुरीतियों, अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष, अकाल और खेती-किसानी के संघर्ष का वर्णन मिलता है।

शोध द्वारा हमें हरियाणा का एक ऐसा सामाजिक इतिहास मिलेगा जो किसी इतिहास की किताब में नहीं है। हरियाणवी अब केवल रागनियों तक सीमित नहीं है। आज अनेक कवि हरियाणवी में गजलें, दोहे, मुक्तक, नाटक और उपन्यास लिख रहे हैं।

अध्यात्म एवं यथार्थ का संगम है 'जब तक तुम ना आओगे'

पुस्तक : जब तक तुम ना आओगे
लेखिका : सविता गर्ग
मूल्य : 210 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

डॉ. विजेंद्र कुमार

कवयित्री सविता गर्ग से मेरा परिचय काफी पुराना है। उसने अपनी पहली काव्य कृति 'मैं मीरा सी' मुझे भेंट की थी। जब तक तुम ना आओगे उनका चौथा काव्य संग्रह है। इस काव्य संग्रह में उनकी 97 कविताएं संकलित हैं। इन कविताओं में कवयित्री का मन प्रेम, भक्ति, देश प्रेम ,अध्यात्म, विरह तथा समकालीन यथार्थ के विभिन्न आयामों की यात्रा करता प्रतीत होता है। यह सभी कविताएं उनकी रचनाशीलता के बहुआयामी व व्यापक दृष्टिकोण को रेखांकित करती हैं। श्री कृष्ण को समर्पित कुछ कविताएं उनकी आध्यात्मिक चेतना के उज्ज्वल स्वरूप को आलोकित करती हैं। कवयित्री ने यह संग्रह भगवान श्री कृष्ण को ही समर्पित किया है। सविता अपनी अनुभूति को व्यक्तिगत परिधि से निकालकर सार्वभौमिक करने में सफल रही हैं। नारी पीड़ा की वेदना उनकी इन कविताओं में दृष्टव्य है - सिया सती राधा रुक्मण सारे रूपों से गुजरी हूं मोहन की जोगन बन घूमी में मीरा वही दीवानी हूं। इसी प्रकार मैं सदियों पुरानी हो गई हूं कविता में वह कहती हैं : परियों की कहानी हो गई हूं, शिलाओं पर लिखी निशानी हो गई हूं। 'जीवन उत्सव है' कविता का संदेश अनुकरणीय है, मानवता हो धर्म सभी का, सब उस रब के बंदे नेक भाव हो नेक हो नीयत नेक हो सब धंधे निर्बल का बल बन जाए जीवन उत्सव है। शहीदों को समर्पित कविता में वह कहती हैं -भारत मां के वीर सिपाही हंस फांसी पर झूल गए, हाय दुर्भाग्य हमारा, हम उनको ही भूल गए। देश की सीमाओं पर बलिदान शहीद के लिए लिखा उनका एक गीत बहुत मार्मिक बन पड़ा है। इस गीत से उन्हें मंचों पर विशेष ख्याति भी मिली है : प्राण तन में नहीं आंखें पथराई हैं उसके बिना घर की खुशियां मुरझाई हैं, रोता रहता है उसका पिता डाकिए उसकी आई क्या चिट्ठी बता डाकिए। नए साल की शुभकामनाएं देती कवयित्री कहती है- मानव धर्म सभी अपनाए जात-पात आड़े ना आए दिल में ज्ञान की जोत जलाएं दुख के बादल सब छट जाएं नए साल की भोर में। सविता गर्ग के मधुर कंठी गीतों की महक अनेक काव्य मंचों की शोभा बनती है। उनकी रचना धर्मिता में अपार संभावनाएं भी हैं। आलोच्य काव्य संग्रह का प्रकाशन एवं प्रस्तुतिकरण दोनों ही उत्कृष्ट कोटि के हैं।

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

सच्चा देशभक्त होता है स्वयं सेवक : रामनिवास

राजौंद। एन एस एस शिविर के दौरान मौजूद स्वयंसेवक व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

■ बच्चों को स्वच्छता के नियमों का पालन करके बीमारियों से बचने के उपाय बताए

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राजौंद में स्वयं सेवकों को फायर एंड सेफ्टी के बारे में जागरूक किया गया। इस दौरान प्रशांत तथा मनदीप के नेतृत्व में स्वयं सेवकों को जानकारी दी गई। सुबह के सत्र में सी एच सी प्रतिनिधि रामनिवास ने बच्चों को स्वच्छता के नियमों का पालन करके बीमारियों से बचने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि स्वयं सेवक सच्चा देशभक्त होता है। जो हर देश के लिए ही सोचता है। देश सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहता है। देश, समाज से अंधविश्वास व रूढी-वाद को समाप्त करने में स्वयं सेवक अहम योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा स्वयं सेवक शिविर के दौरान जिन नियमों व सेवा भावना को ग्रहण करता है। उसे वह जीवन भर देश व समाज की सेवा करने से पीछे नही हटता।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दी नशे से दूर रहने की सीख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

■ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कसान में चल रहे शिविर का समापन

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कसान में चल रहे शिविर का समापन हो गया। शिविर के समापन अवसर पर विशिष्ट सदस्य जिला परिषद अमरजीत व पंचायत समिति सदस्य नरेश कुमार ने शिविर में शिरकत की और स्वयं सेवकों द्वारा शिविर के दौरान किए गए कार्यों के लिए उनकी प्रशंसा की। इस दौरान स्वयं सेवकों ने नशा मुक्त भारत विषय पर एक रैली निकाली। रैली गांव की मुख्य गलियों होती हुई वापिस स्कूल में पहुंची। इस दौरान स्वयं सेवकों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलवाई। स्वयंसेवकों ने मोबाइल के ज्यादा प्रयोग से होने वाले नुकसान के संदर्भ में भी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को सूचित किया। इसके बाद छात्र आसू ने स्वामी विवेकानंद के जीवन व शिक्षाओं पर प्रकाश डाला और सभी स्वयंसेवकों को उनके जीवन व आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज और देश हित में काम करने का आह्वान किया। इस दौरान और इसी तरह समाज और देश हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। सरपंच प्रतिनिधि बलजीत सिंह ने स्वयंसेवकों को शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया और साथ ही आने वाली परीक्षाओं के लिए भी कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। कैंप के दौरान सभी स्वयंसेवकों ने पूर्ण अनुशासन में रहते हुए समर्पित होकर कार्य किया। छात्र आशु व छात्रा रितु को कैंप के लिए सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक घोषित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी कृष्ण कुमार, भजन सिंह मलिक, जिला पार्षद अमरजीत सिंह, जिला पार्षद दीप बालू सरपंच प्रतिनिधि बलजीत सिंह पंचायत समिति सदस्य नरेश कुमार विकास रवीश सुमन देवी कृष्ण कुमार आदि उपस्थित रहे।

राजौंद। गांव कसान में चल रहे एनएसएस शिविर के समापन के दौरान मौजूद।

स्कूल में लगाया सात दिवसीय शिविर

कलायत। कलायत के राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में जारी सात दिवसीय कैंप का समापन प्रधानाचार्य सुखदेव सिंह ने कार्यक्रम अधिकारी सतबीर ढुल के साथ परंपरा अनुसार किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयं सेवकों ने विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने का काम किया। इसके साथ ही साफ-सफाई व शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर फोक्स रहा। पढ़ाई के साथ किस प्रकार विद्यार्थी समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी भूमिका अदा कर सकते हैं इसका महत्वपूर्ण जरिया एनएसएस है। सतबीर ढुल व शिक्षक अनिल मोर ने स्वयं सेवकों की परीक्षा नजदीक आने पर उन्हें अपने अध्ययन में और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा दी। अनिल डीपी द्वारा प्राणायाम और व्यायाम के जीवन में लाभों पर प्रकाश डाला गया। सतबीर ढुल ने प्रधानाचार्य और सभी अध्यापक गणों और स्वयंसेवकों का शिविर के कुशल संचालन में सहयोग के लिए आभार जताया।

स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाया

राजौंद। सरकारी स्कूल सोंगल में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में सचिन धीमान ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाया। उन्होंने भविष्य में किस प्रकार से आप एक अच्छा करियर बना सकते हैं इस बारे बच्चों को बताया। इस दौरान परिक्षित कोशिक ने ए आई के संदर्भ में अपने विचार रखें और बताया कि वर्तमान और भविष्य में एआई एक अवतार के रूप में हमारे साथ खड़ा है। उसकी सहायता से हम किसी भी प्रकार के कार्य कर सकते हैं। यहां तक कि वह हमारी परीक्षा में भी सहायता कर सकता है। इस दौरान बच्चों ने पोस्टर मेकिंग में राष्ट्रीय एकता को प्रदर्शित करने वाले चित्र बनाकर अपनी.अपनी प्रतिभा प्रदर्शित किया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी मामला राम ने सभी का आभार जताया।

जीवन में स्वच्छता अपनाएं: रमेश राणा

राजौंद। एनएसएस शिविर के छठे दिन मुख्य अतिथि अमृतलाल पूर्व प्रधानाचार्य राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैलरम रहे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में स्वच्छता अभियान के संबंध में विचार व्यक्त किए। उन्होंने स्वयंसेवकों को जीवन में स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के इंचार्ज डॉक्टर रमेश राणा ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर एनएसएस के नोडल अधिकारी चंद्रमणि शर्मा, कृष्ण, भूप सिंह, अजय व बिट्टू आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

कैथल। न्यू लिटिल स्टार पब्लिक स्कूल कसान में लाडल फाउंडेशन की ओर से छात्रवृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत प्रिंसिपल सतपाल लांबा थे। इस प्रतियोगिता के तहत शिक्षा व अन्य क्षेत्र में अव्वल रहे विद्यार्थियों का चयन किया गया। इनमें चैंसी, विनती, भावना, रिया शामिल रही। इन छात्राओं को लाडल की 5 हजार रुपये प्रत्येक छात्रवृति दी गई। कार्यक्रम में पहुंचे सुमेर और कुलबीर लांबा ने बताया कि यह छात्रवृति उनके दादा व दादी की याद में मेधावी विद्यार्थियों को दी गई। इस अवसर पर सूरजभान लांबा, प्रिंसिपल नंद लाल, अंग्रेज, गीता, सुमन, प्रदीप कुमार, एमडी वीरेंद्र सिंह, जोगेंद्र सिंह, डिंपल, बिट्टू आदि उपस्थित रहे।

मानवता की सेवा भगवान की पूजा से भी बढ़कर : नवीन मल्होत्रा

कैथल। पिछले कई दिनों से कैथल जिला में कड़ाके की ठंड पड रही है। झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले लोग अपने छोटे छोटे बच्चों के साथ रात भर आग सेक कर गुजरते है। कैथल की कई समाज सेवी संस्थाएं हररोज शहर की झुग्गी झोपड़ियों में कंबल बांट रहे हैं। इसी कड़ी में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाज सेवी नवीन मल्होत्रा ने कैथल में अंबाला रोड पर लोगों में कंबल वितरित किए। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा भगवान की पूजा से भी बढ़कर है। इसलिए समाज सेवा संस्थाओं से जुड़े लोगों द्वारा गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने भी कहा था कि दान देने से धन नहीं घटता। गरीबो और जरूरतमंद लोगों की सहायता करने वालों पर भगवान की कृपा सदा बनी रहती है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि साधन संपन्न लोग अपने घरों में फालतू पुराने गर्म कपड़े, कंबल, रजाई इत्यादि चीजों को गरीब और जरूरतमंद लोगों में बांटे।

बाला जी भट्ठे पर मजदूरों को बांटे गर्म कपड़े

राजौंद। गांव खेड़ी राय वाली वाली मार्ग पर स्थित बाला जी भट्ठे पर कड़ाके की इस ठंड में जरूरतमंदों की मदद के लिए हाथ बढ़ाते हुए लोगों को गर्म कंबल वस्त्र व रेवड़ी मूंगफली इत्यादि खाद्य सामग्री वितरित की गई। इस दौरान सुरेश व सुखदेव शर्मा ने बताया कि भट्ठों पर रह रहे जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए तहलका स्टूडियो की टीम ने मिलकर भट्ठों पर जाकर लोगों को गर्म कंबल खाद्य सामग्री व वस्त्र वितरित किए। इस दौरान सुरेश मित्तल, रोशन लाल व अन्य सदस्यों ने भविष्य में भी मदद करने का आश्वासन दिया।

छात्राओं ने मंदिरों की श्रृंखला का भ्रमण किया

कलायत। कलायत के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में एनएसएस शिविर के पांचवे दिन छात्राओं ने प्राचीन कपिल मुनि सरोवर तट पर मंदिरों की श्रृंखला का भ्रमण किया। इस दौरान एनएसएस अधिकारी राज सिंह ने एनएसएस स्वयंसेविकों को भगवान कपिल मुनि पूजा स्थल, बिना चूना-मिट्टी के निर्मित पंचरथ शैली से निर्मित शिव मंदिर व दूसरी धरोहरों के इतिहास से रूबरू करवाया। कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस स्थल पर भगवान कपिल मुनि ने अपनी माता देवहुति को सांख्य दर्शन का ज्ञान करवाया। सांख्य दर्शन के माध्यम विकास में मानव की भूमिका का उल्लेख किया गया है। इसके साथ ही बिना चूना-मिट्टी के निर्मित शिव मंदिर वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इस तरह स्वयं सेविकाओं को सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को को करीब से जानने का मौका मिला। ऐतिहासिक स्थल की संरक्षण के महत्व एवं रखरखाव बारे जानकारी दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम सहायक निर्मला व संदीप सिंह मौजूद रहे।

पंजाबी सेवा सदन ने बांटा राशन

कैथल। पंजाबी सेवा सदन परिसर में हर माह की तरह आज आर्थिक रूप से कमजोर जरूरतमंद परिवारों को राशन बांटा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंजाबी सेवा सदन के प्रधान प्रदर्शन परुथी ने की। प्रधान प्रदर्शन परुथी ने जानकारी देते हुए बताया कि हर माह की तरह आज भी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को संस्था द्वारा राशन वितरित किया गया जो कि हर माह के पहले रविवार को दिया जाता है । परुथी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनवरी माह की राशन सेवा संस्था के वरिष्ठ सदस्य सुभाष कथूरिया ने अपनी माता स्व. विद्या रानी कथूरिया की पुण्य स्मृति में दी ।उन्होंने बताया कि संस्था जंहा गरीबों को राशन देने का कार्य कर रही है वंही देश हित में व प्रशासन के सहयोग के लिए अग्रणी भूमिका में रहती है। प्रधान ने आगे बताया कि सदन परिसर में बने कंप्यूटर केंद्र का नया सत्र जल्द ही शुरू होगा।कंप्यूटर केंद्र में सभी कोर्स मुफ्त करवाए जाते हैं। पंजाबी सेवा सदन के महासचिव संदीप मलिक व मुख्य संरक्षक इंद्रजीत सरदाना ने नव वर्ष पर मंगल कामना करते हुए सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर इंद्रजीत सरदाना, अशोक आर्य,भारत भूषण टक्कर, रमेश सचदेवा,योग राज बत्रा,कमल आहूजा,मोहिंद्र पपनेजा,सुभाष कथूरिया,सुरेश ऐलावादी आदि मौजूद रहे।

बाइक चोर गिरफ्तार, 2 चोरीशुदा बाइक बरामद

कैथल। एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एएसआई लखविंद्र सिंह की टीम द्वारा आरोपी गांव नीमवाला निवासी सतविन्द्र को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि खरका निवासी लवप्रीत की शिकायत अनुसार 28 अगस्त को बस अड्डा कैथल के पास से उसकी बाइक को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। जिस बारे थाना सिविल लाइन में मामला दर्ज कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से उक्त चोरीशुदा बाइक बरामद करने के अतिरिक्त एक अन्य बाइक बरामद की गई, जो आरोपी ने उक्त बाइक को भी बस अड्डा कैथल से चोरी करना कबूल किया है। आरोपी न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

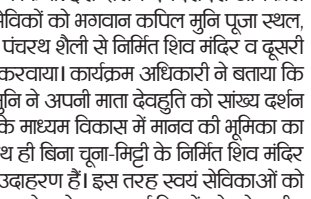

पूंडरी। एनएसएस शिविर में जानकारी देते योग प्रशिक्षक दिलबाग।

योग शरीर, मन और बुद्धि को भी स्वस्थ रखता है: दिलबाग

पूंडरी। डीएवी पब्लिक स्कूल पुंडरी में प्राचार्य साधना बक्शी के निर्देशन में चल रहे एनएसएस शिविर के आज पांचवे दिन प्रसिद्ध गणितज्ञ सुनील कुमार व योग प्रशिक्षक दिलबाग विशेष रूप से आमंत्रित हुए। कार्यक्रम अधिकारी अमित कुमार ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रथम सत्र में गणितज्ञ सुनील ने बताया कि किस तरह हम बड़ी से बड़ी गणना को गणित के जरिए सेकंड में कर सकते हैं। किस तरह से हम प्लस माइनस मल्टीप्लाई और डिवीजन को शॉर्टकट फॉर्म में कन्वर्ट कर सकते हैं। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में योग प्रशिक्षक दिलबाग ने स्वयंसेवकों को योग के महत्व के बारे में बताया कि हम सभी को योग नित्य प्रतिदिन करना चाहिए। सत्र के अंत में स्वयंसेवकों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता भी करवाई गई जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने भरपूर आनंद लिया इस अवसर पर प्राध्यापक मुकेश कुमार, विजय कुमार भी उपस्थित थे।

दो दिवसीय विज्ञान क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

राधा कृष्णा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कैथल के परिसर में सीबीएसई द्वारा विज्ञान विषय पर दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या मीनू नरवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर लाभ सिंह लैलर तथा मुख्य अतिथि रिसोर्स पर्सन पूजा शर्मा एवं कुमारी किरण ने मां सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सभी अध्यापकों द्वारा सामूहिक प्रार्थना भी की गई। प्रशिक्षण के दौरान रिसोर्स पर्सन ने विज्ञान शिक्षण को अधिक रोचक, प्रयोगात्मक एवं गतिविधि आधारित बनाने पर विशेष जोर दिया। शिक्षकों को दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरणों, प्रयोगों, मॉडल्स तथा नवाचारपूर्ण शिक्षण विधियों के माध्यम से विज्ञान पढ़ाने के प्रभावी तरीके बताए गए। यह प्रशिक्षण नई शिक्षा नीति के अनुरूप रहा, जिसमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, जिज्ञासा बढ़ाने तथा कक्षा प्रबंधन के आधुनिक उपायों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में कैथल जिले के विभिन्न विद्यालयों के साथ-साथ अन्य जिलों से आए विज्ञान शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। नरवाल ने कहा कि विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि सोचने, समझने और समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता विकसित करता है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नवीन तकनीकों से जोड़कर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होते हैं। विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर लाभ सिंह लैलर ने कहा कि सी.बी.एस.ई. द्वारा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रत्येक शिक्षक के लिए 50 घंटे का प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है। विज्ञान जैसे विषय में निरंतर प्रशिक्षण से शिक्षक नवीन शोध, प्रयोगों एवं तकनीकी नवाचारों से अपडेट रहते हैं, जिसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलता है। शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है और सीखने की कोई आयु नहीं होती। इसमें अशोक, प्रभजीत, राजीव, अंजू, मोनिका तथा अन्य स्टाफ सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

कैथल। क्षमता संवर्धन कार्यक्रम की समाप्ति पर एमडी लाभ सिंह के साथ अध्यापक व अन्य अधिकारी फोटो : हरिभूमि

आत्मा का परमात्मा से मिलान योग है: योगानंद

राजौंद। शहीद सिपाही मिठिया राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भाना में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के पांचवें दिन योगपीठ भाना के आचार्य योगानंद ने छात्र-छात्राओं को प्राणायाम का अभ्यास करवाया। उन्होंने कहा की आत्मा का परमात्मा से मिलान योग है। उन्होंने विभिन्न योगासनों के द्वारा छात्र-छात्राओं से बीमारियों के इलाज के विषय में भी बताया। उन्होंने कहा कि सात्विक भोजन ही शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी दीपक राविश उप कार्यक्रम अधिकारी ज्योति रानी संस्कृत के प्रवक्ता प्रवीण व गौरव कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गोमाता के दूध में अमृत का वास: संत छविराम दास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

गोशाला के कार्यालय में आयोजित धार्मिक प्रवचन के दौरान संत छविराम दास ने गाय माता की महिमा पर भावपूर्ण शब्दों में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गो माता भारतीय संस्कृति की आधारशिला हैं और उनके संरक्षण में ही मानव जीवन का कल्याण निहित है। गौ माता के दूध में अमृत समान गुण विद्यमान हैं, जो तन और मन दोनों को निरोगी बनाते हैं। प्राचीन काल से ऋषि-मुनि गो सेवा को सर्वोच्च पुण्य मानते आए हैं। प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा कि गौ सेवा से केवल शरीर ही नहीं, आत्मा भी शुद्ध होती है। गोमाता करुणा, त्याग और वात्सल्य की जीवंत प्रतिमूर्ति हैं। जिस समाज में गाय माता का सम्मान होता है, वहां कभी भी अशांति नहीं रहती।

युवाओं से आह्वान

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे गो सेवा को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि गोशालाएं केवल पशुओं का आश्रय नहीं, बल्कि संस्कारों की पाठशाला हैं। गाय माता की सेवा से घर में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है। गोरक्षा केवल धर्म नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व भी है।

दो युवकों से 55 हजार रुपये ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

क्यूआर कोड भेज लगाया चूना

कलायत क्षेत्र के गांव कुराड़ व बात्ता में दो युवकों से 55 हजार रुपए की साइबर ठगी कर ली। दोनों ही मामलों में कलातय थाना पुलिस ने युवकों की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहले मामले में पुलिस को दी गई शिकायत में गांव कुराड़ निवासी सचिन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 10 नवंबर 2025 को उसके पास बहुत सारे टैक्स्ट मैसेज आए। इसमें लिखा था कि आपके खाते 8 हजार, 2 हजार, 10 हजार व 20 हजार रुपए जमा हो गए। थोड़ी देर में मेरे पास अलग 2 नंबरों से काल आई। कॉल करने वालों ने कहा कि आपके खाते में गलती से हमारे 40 हजार रुपए जमा हो गए हैं। इसलिए आप हमें हमारे 40 हजार रुपए वापस कर दो। इसके बाद उसने आरोपी के खाते में 40 हजार रुपए भेज दिए। बाद में पता चला कि उसके पास जो मैसेज आए, वे फर्जी थे।

दूसरे मामले में पुलिस को दी गई शिकायत में गांव बात्ता निवासी राजीव कुमार ने बताया कि 24 दिसंबर को मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया। उसने अपना नाम पंकज सिंह भदौरिया बताया। यह बताया कि वह लखनऊ के गोमती नगर का निवासी है। उसने 5 रुपये के बदले ज्यादा पैसे देने की बात कही। उसने आरोपी के कहे अनुसार 5 रुपए देने के लिए हां भर दी। इसके बाद आरोपी ने उसके पास एक क्यूआर कोड भेजा और उसमें डिटेल भरने के लिए कहा। उसने रजिस्ट्रेशन के लिए डिटेल भर दी। इस पर आरोपी ने 650 रुपए का भुगतान गूगल पे के माध्यम से कर दिया। थोड़ी देर बाद फिर कॉल आया कि आपका खाता रजिस्टर हो गया। अब आप इसमें 7550 रुपए की पेमेंट कर दो। उसने फिर से भेज दिए। उसके बाद फिर 7 हजार भेज दिए। जब आरोपी और रुपए मांगने लगा तो उसने मना कर दिया। ऐसा करके आरोपी ने उसके साथ 15 हजार 750 की ठगी कर ली। कलायत थाना एसएचओ बलबीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है।

श्री सनातन धर्म सभा ने दो बेटियों का विवाह करवाया

कैथल। श्री सनातन धर्म सभा कैथल ने अपने समाज सेवी कार्यों के अंतर्गत समाज की दो बेटियों के हाथ पीले करवाए। प्रधान रवि भूषण गर्ग, उप प्रधान बृजभूषण गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रेम सिंगला, कार्यकारणी सदस्य चंद्र प्रकाश गोयल, रमेश बंसल टाटी, अनिल लाडी मौजूद रहे। प्रधान ने कहा कि बेटियां समाज की सांझी जिम्मेदारी है। विधि विधान एवं हिंदू धर्म के अनुसार मिलनी करवाई गई। जयमाला हुई, तत्पश्चात पंडित अशोक शर्मा व सत्यनारायण शर्मा ने हिंदू रीति रिवाज के अनुसार मंत्र उच्चारण करते हुए उनके फेरों का काम पूर्ण करवाया। इन शादियों में बेटियों को सोने का कोका, चांदी के समान में चुटकी, पायल, मंगलसूत्र, बेड,गद्दा, चादर, रजाई ,कंबल, सिलाई मशीन, कुर्सी ,मेज पंखे, बर्तन, 12 सूट व लड़के लड़की को घड़ी दी गई। मौके पर पंडित लज्जाराम, रोहतास राणा, विनोद राणा, सुरेश पाल, सुरेंद्र सिंह ,कंचन आदि मौजूद रहे।

शिविर स्वयं सेविकाओं ने स्वागत गीत गाकर अतिथियों का स्वागत किया

विशेष शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण सामाजिक विकास की सशक्त आधारशिला : बबली

कैथल। नगरपालिका चेयरपर्सन बबली गोस्वामी स्वयं सेवकों के साथ फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन का शुभारंभ नगरपालिका चेयरपर्सन बबली गोस्वामी और समाजसेवी राकेश गोस्वामी ने रिबन काटकर और सरस्वती देवी पर दीप प्रज्वलित करके किया। स्वयं सेविकाओं ने स्वागत गीत गाकर अतिथियों का स्वागत किया। फीडबैक सुलेखा ने प्रस्तुत किया। नगरपालिका चेयरपर्सन बबली गोस्वामी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण सामाजिक विकास की सशक्त आधारशिला है। ऐसे शिविरों के माध्यम से बच्चों में सेवा-भाव, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सहयोग की भावना तथा समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव विकसित होता है, जो उन्हें एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाता है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर पार्षद नसीब सिंह,साहब सिंह, जितेन्द्र,दीपक सैनी,ईसम रंगा, राजकुमार सैनी,रवि आदि पार्षद दिव्या गोयल, सुशील सैनी, उमेश गुप्ता और बृजेश टाया आदि उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा के 10 गोल्डन टिप्स दिए

राजवीर सिंह श्योकन्द, इंस्ट्रक्टर, ड्राइविंग स्कूल , गढ़ी पाडला ने सड़क सुरक्षा के 10 गोल्डन टिप्स देते हुए कहा - हेलमेट और सीट बेल्ट अवश्य पहनें,ट्रैफिक नियमों का पालन करें,मोबाइल का प्रयोग वाहन चलाते समय न करें,नशे में वाहन न चलाएं, तेज़ गति से बचें, ज़ेब्रा क्रॉसिंग से ही सड़क पार करें, वाहन की नियमित जांच कराएं, ओवरटेक सावधानी से करें, बच्चों को आगे सीट पर न बैठाएं, थकान में वाहन न चलाएं।

खबर संक्षेप

छात्रों को साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

नरवाना। डीएवी पब्लिक स्कूलए नरवाना में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के चौथे दिन का कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं ज्ञानवर्धक रहा। सदर थाना नरवाना के एसएचओ राजेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने स्वयंसेवकों को साइबर अपराध साइबर सुरक्षा तथा वर्तमान समय में समाज में फैल रहे विभिन्न प्रकार के अपराधों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

सीपीआईएम आज फूंकेगी यूएस राष्ट्रपति का पुतला

जींद। सीपीआईएम जिला कमेटी वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करती है और सोमवार को प्रदर्शन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए उसका पुतला फूंकेगी। सीपीआईएम की ओर से जिला सचिव कपूर सिंह ने वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी, सीलिया फ्लोरेस के अपहरण की कड़ी निंदा की हैं।

आज किसान सौपेंगे एसडीएम को ज्ञापन

उचाना। उपमंडल कार्यालय में चल रहे किसानों के अनिश्चित कालीन धरने पर किसानों की बैठक हुई। धरना संयोजक आजाद पालवां ने बताया कि 5 जनवरी को एसडीएम उचाना को ज्ञापन सौंपा जाएगा। पालवां ने बताया कि बिजली निगम द्वारा हाइवे के साथ खेतों से बड़े-बड़े पोल लगा कर हाई वोल्टेज की तारें खिंची जा रही है। जहां ये पोल खड़े हुए है उनका मुआवजा बहुत कम दिया जा रहा।

स्वच्छता को आदत में लाएं: सेव

जींद। सामाजिक संस्था सोसाइटी फोर एडवांसमेंट ऑफ विलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट सेव ने रविवार सुबह महात्मा गांधी पार्क में श्रमदान किया। संस्था के प्रधान नरेंद्र नाडा की अध्यक्षता में चलाया गया यह 450 वां अभियान था। पार्क में पड़े हुए पॉलिथीन व अन्य कूड़े को उठाते हुए यह संदेश देने का प्रयास किया कि हर आदमी स्वच्छता को आदत बनाएं। जब स्वच्छता आदत बन जाएगी।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

जींद। सात दिवसीय एनएसएस कैंप के दौरान बच्चों ने पार्कों की सफाई की और पेड़ पौधों की खुदाई और निराई करके श्रमदान किया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खांडा में शिविर के चौथे दिन बच्चों ने सर्दी की परवाह न करते हुए निस्वार्थ भाव से श्रमदान किया। विद्यालय प्रधानाचार्य डा. अशोक कुमार, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र कौशिक, राजवीर बिढान, मोहनलाल गर्ग, संदीप कुमार, वजीर सिंह बिजली बोर्ड जेई ने भी बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए प्रोत्साहित किया।

शिक्षा भारती स्कूल में अभिभावक शिक्षक बैठक

नरवाना। शिक्षा भारती मॉडल स्कूल उझाना में आज अभिभावक शिक्षक बैठक का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों और शिक्षकों ने भाग लिया। प्रबंधक कमेटी द्वारा नियुक्त हेड बॉय एंड हेड गर्ल ने विद्यार्थियों और अभिभावकों का स्वागत किया। अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई के बारे में जानने के लिए उत्सुक थे। अध्यापकों और अभिभावकों के मध्य वार्तालाप हुई। बच्चों की पढ़ाई के बारे में जानने के साथ उनकी पढने की कमजोरी के बारे में बताया गया।

चार खिलाड़ियों ने जीती ब्लैक बेल्ट

जींद। चौधरी भरत सिंह मेमोरियल खेल स्कूल निडानी में तीन दिवसीय कराटे कैंप का समापन हुआ। जिला कराटे संघ के सचिव कृष्ण सिंगरोहा ने बताया कि तीन दिन तक चले इस कैंप में लगभग डेढ़ सौ खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस कैंप में कराटे के खिलाड़ियों को एडवांस ट्रेनिंग दी गई। कैंप के समापन पर मुख्यअतिथि कुलदीप बडाला रहे। निरंतर मेहनत करने का संदेश दिया।

संदेश मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में एनएसएस शिविर

किसी दुर्घटना, चोट या अचानक बीमारी की स्थिति में पीड़ित को अस्पताल पहुंचने से पूर्व दिया जाता है 'प्राथमिक उपचार'

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय परिसर में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के चौथे दिन का कार्यक्रम अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं स्वास्थ्य जागरूकता से परिपूर्ण रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार फस्ट एड की महत्ता से अवगत कराया गया तथा योग सत्र के माध्यम से शारीरिक, मानसिक सुदृढ़ता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित आचार्य संत ने विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्राथमिक उपचार वह तत्काल सहायता है, जो किसी दुर्घटना, चोट या अचानक बीमारी की स्थिति में पीड़ित को अस्पताल पहुंचने से पूर्व दी जाती है। सही समय पर दिया गया फस्ट एड कई बार किसी व्यक्ति की जान बचाने में सहायक सिद्ध होता है।

सही समय पर दिया गया फर्स्ट एड कई बार व्यक्ति की जान बचाने में होता है सहायक

दर्द निवारक क्रीम के बारे में बताया

आचार्य ने विद्यार्थियों को फस्ट एड बॉक्स की आवश्यक सामग्री जैसे पट्टी, एंटीसेप्टिक द्रव, कॉटन, बैंडेज, कैंची, थर्मामीटर, दर्द निवारक क्रीम आदि के बारे में बताया। उन्होंने रक्तस्राव रोकने की विधिए जलने पर तुरंत ठंडे पानी का प्रयोग, फ्रेक्चर की स्थिति में अंग को स्थिर रखने, बेहोशी आने पर व्यक्ति को सुरक्षित स्थिति में लिटाने और आपात स्थितियों में सावधानियों पर विशेष प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि एनएसएस स्वयंसेवक समाज के लिए कार्य करने वाले जागरूक नागरिक होते हैं। इसलिए उन्हें प्राथमिक उपचार जैसे जीवनरक्षक कौशल अवश्य सीखने चाहिए। फिजिकल एजुकेशन प्रशिक्षक गौरव आशरी द्वारा एक प्रभावशाली योग सत्र का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षक ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है, एकाग्रता बढ़ती है और तनाव से मुक्ति मिलती है। उन्होंने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन तथा अनुलोम विलोम, कपालभाति जैसे प्राणायामों का अभ्यास कराते हुए उनके लाभ समझाए। योग सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया। प्रशिक्षक ने मोबाइल और डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया तथा योग और व्यायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी।

जींद। प्राथमिक उपचार के गुर सीखते हुए बच्चे। फोटो: हरिभूमि

स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एनएसएस अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने कहा कि एनएसएस शिविर का उद्देश्य केवल सेवा कार्य तक सीमित नहीं है बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। प्राथमिक उपचार और योग जैसे विषय विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनाते हैं। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। एनएसएस कैंप में उपस्थित विद्यालय के शिक्षकों ने भी आचार्य संत एवं योग प्रशिक्षक गौरव आशरी का आभार व्यक्त किया।एनएसएस शिविर का चौथा दिन प्राथमिक उपचार और योग के माध्यम से विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक सोच, सेवा भावना और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने वाला सिद्ध हुआ।

डिप्टी स्पीकर मिड्ढा ने किया अपना रोटी रथ सेवा समिति कार्यालय का उद्घाटन

रोटी रथ सेवा समिति वर्षों से जींद शहर में सराहनीय काम कर रही

प्रदेश अध्यक्ष को लेकर भाजपा आलाकमान का फैसला मंजूर

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

नरवाना रोड के निकट कबीर चौक पर स्थित अपना रोटी रथ सेवा समिति के नए कार्यालय का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, विशिष्ट अतिथि युवा भाजपा नेता योगेश बैरागी व अति विशिष्ट अतिथि डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला व बैरागी सभा जिलाध्यक्ष जय भगवान बैरागी, पिंडारा गोशाला के महंत सतबीरानंद उपस्थित हुए। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने रिबन काट कर कार्यालय का उद्घाटन किया और कहा कि रोटी रथ निरंतर आठ वर्षों से जींद शहर में सराहनीय काम कर रहा है। योगेश बैरागी ने नारियल तोड़ कर शुभारंभ किया और डा. राजेश भोला ने अतिथियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। संस्था के संरक्षक विरेंद्र डागर की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ और जयभगवान बैरागी ने अतिथियों को सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया। उद्घाटन के अवसर पर संस्था ने शहरभर से समाजसेवी संस्थाओं व साथियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि कोरोना काल से अपना रोटी रथ चलाने की जिम्मेवारी संस्था अच्छे से निभा रही है। शहरवासी पूरा साथ दे रहे हैं। बाहर से आए लोगों को संस्था खाना खिलाने का काम करती है। जींद में अपना रोटी रथ ने अच्छा मुकाम हासिल किया है। बच्चों के जन्मदिन भी संस्था द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर गुरमीत सेन, सीताराम बैरागी, राजीव, विक्की, नंदलाल, राजकुमार भोला, देवीराम कौशिक, अशोक, नरसी, पवन शर्मा, सौरभ बैरागी, रीना, शकुंतला, रानी, सुमन, विधि व संस्था के पदाधिकारी मौजूद रहे।

डा. राजेश भोला ने अतिथियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया

जींद। संस्था कार्यालय के उद्घाटन पर डिप्टी स्पीरक को स्मृति चिन्ह देते हुए। फोटो: हरिभूमि

विपक्ष हताश

भ्रष्टाचार को लेकर डा. मिड्ढा ने कहा कि विपक्ष के पास आज कोई चारा नहीं बचा है। विपक्ष हताश है। वो कुछ न कुछ ऐसे शब्द बोल कर लोगों से सहनुभूति लेना चाहता है। इससे कोई फर्क पडवे वाला नही है। लोगों ने तीसरी बार भाजपा को चुना है। लोगों ने भाजपा का साथ दिया है। प्रदेशाध्यक्ष को लेकर आलाकमान का फैसला है। जो भी होगा वो मंजूर होगा।

सांसद दीपेंद्र हुड्डा के जन्मदिन पर युकां ने उचाना में रक्तदान शिविर।

सांसद दीपेंद्र हुड्डा के जन्मदिन पर युकां ने लगाया रक्तदान शिविर

- कांग्रेस जिला प्रधान ऋषिपाल हैबतपुर ने बैज लगाकर बढ़ाया रक्तदाताओं को हौंसला

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

उचाना कस्बे स्थित रॉयल गार्डन में रविवार को सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम का आयोजन युवा कांग्रेस के हलका प्रधान संदीप वर्मा के नेतृत्व में किया गया, जिसमें युवाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के जिला प्रधान ऋषि पाल हैबतपुर ने शिरकत की, जबकि युकां जिला अध्यक्ष सुखा मालिक भी विशेष तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत हवन-यज्ञ के साथ की गई, जिसमें सभी उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सांसद दीपेंद्र हुड्डा के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं देश, प्रदेश व समाज की खुशहाली की कामना की।

30 यूनिट रक्त एकत्र

इस दौरान कुल 30 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिसे जरूरतमंद मरीजों के लिए उपयोग में लाया जाएगा। कांग्रेस जिला प्रधान ऋषि पाल हैबतपुर ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका हौसला बढ़ाया। अपने संबोधन में उन्होंने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान महादान है, जिससे अनेक जिंदगियों को बचाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे आगे आकर नियमित रूप से रक्तदान करें और समाज सेवा में अपनी भागीदारी निभाएं। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा का जीवन सादगी, संघर्ष और जनसेवा का प्रतीक है, और उनके जन्मदिन को रक्तदान जैसे पुण्य कार्य के माध्यम से मनाना प्रेरणादायक है। ऋषिपाल हैबतपुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा समाजहित के कार्यों में आगे रही है और आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। रक्तदान करने वाले सभी युवाओं का आभार व्यक्त किया।

सीएम के फैसलों से हर वर्ग खुश

- भाजपा विधायक देवेंद्र अत्री कहा बधाना से हुई जिले में देशभक्ति किसान पंचायत की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ⏭उचाना

भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि भाजपा द्वारा किए गए जन हित के कामों को देखते हुए लगातार तीसरी बार मतदाताओं ने भाजपा पर विश्वास जताया है। सीएम नायब सिंह सैनी के नायब फैसलों से हर वर्ग खुश है।

सीएम हो कहते है वो करते है वो इसको निरंतर वो साबित करते रहते है। आज विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। निरंतर भाजपा के साथ हर वर्ग जुड़ रहा है। बिना पर्ची-बिना खर्ची नौकरी युवाओं को देकर भाजपा ने इतिहास बनाने का काम किया है।

उचाना। जनसमस्याओं को सुनते हुए विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

हर वर्ग की समस्याओं का होगा समाधान

विधायक ने कहा कि जिले में सबसे पहले उचाना हलके के बधाना गांव में देशभक्ति किसान पंचायत का आयोजन हुआ। किसान, कमेरे वर्ग सहित किसी भी वर्ग के लोगों को किसी तरह की समस्या न हो ये हमारी सरकार का प्रयास है। जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढूल, जिला प्रभारी मदन लाल गोयल भी साथ में इस देशभक्ति किसान पंचायत में मौजूद रहे थे। 15 दिनों के अंदर जितनी भी समस्याएं आई है उनका समाधान होगा। विकसित भारत का 2047 का लक्ष्य पूरा करेंग रहेंगे। इसकी शुरूआत उचाना हलके से हुई है।

आपदा के समय सजगता ही बचाव: रश्मि

- एनएसएस शिविर में बच्चों ने सीखे आपदा में बचाव के गुर

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल अर्बन एस्टेट जींद की एनएसएस यूनिट द्वारा आयोजित किया जा रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिन स्वयंसेवकों को अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में हरियाणा फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज जींद की टीम की ओर से सतपाल सिंधु, संदीप सिंह, सुशील मलिक द्वारा विद्यार्थियों को आग से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यालय की प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी ने इस अवसर पर कहा कि आपदा के समय सजगता, धैर्य और सही प्रशिक्षण ही सबसे बड़ा बचाव होता है। उन्होंने ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि एनएसएस के माध्यम से छात्रों में सेवा, अनुशासन एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने स्वयंसेवकों को आग लगने के कारणों, आग के विभिन्न प्रकारों तथा उन्हें नियंत्रित करने के सुरक्षित तरीकों के बारे में बताया। इस अवसर पर शिल्पा सचदेवा, रामेश्वर सहायक, स्वयंसेवकों सुमित, पुलकित, शिवांग, अजय, वंशिका, भाविक द्वारा सभी गतिविधियों में बढ़चढ़ कर भाग लिया गया।

जींद। आग बुझाने के गुर सीखते हुए बच्चे। फोटो: हरिभूमि

मानव सेवा जरूरी

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अनिल कुंडू ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि आपदा के समय मानव सेवा ही सच्ची सेवा है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण को समाज तक पहुंचाएं। स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया। शिविर का चौथा दिन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं व्यवहारिक अनुभव से भरपूर रहा।

कार्यक्रम | राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नगूरां में एनएसएस कार्यक्रम

जिला संगठन आयुक्त ने दिया बालिकाओं को सजगता आत्मनिर्भरता और समाज सेवा का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नगूरां में रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि के रूप में जिला संगठन आयुक्त (गाइड) उषा गुप्ता ने शिरकत की। विद्यालय पहुंचने पर एनएसएस इंचार्ज मुनेश और वॉलंटियर छात्राओं ने तालियों की गूंज और स्वागत गीतों के माध्यम से उनका स्वागत किया। विद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने लायक था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय की छात्राओं ने देशभक्ति, नारी सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता पर आधारित नृत्य और गीत प्रस्तुत किए, जिनसे पूरा वातावरण प्रेरणादायक बन गया। मुख्य अतिथि उषा गुप्ता ने अपने संबोधन में छात्राओं को गुड टच और बैड टच के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर बालिका को अपने आसपास के वातावरण के प्रति सजग रहना चाहिए और किसी भी असहज स्थिति में तुरंत अपने अभिभावकों, शिक्षकों या भरोसेमंद व्यक्ति को बताना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को आत्मरक्षा के महत्व से भी अवगत कराया और कहा कि आत्मविश्वास ही हर लड़की की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि आज के समय में कौशल शिक्षा (स्किल एजुकेशन) अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को स्काउट-गाइड गतिविधियों में भाग लेकर समाज सेवा से जुड़ने का आह्वान किया और बताया कि ऐसी गतिविधियां न केवल व्यक्तित्व विकास में सहायक होती हैं बल्कि समाज के प्रति जि मेदारी की भावना भी जगाती हैं।

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऊषा गुप्ता। फोटो: हरिभूमि

हर नागरिक को जागरूक ग्राहक बनना चाहिए

इस अवसर पर पहला कदम फाउंडेशन के राष्ट्रीयध्यक्ष एवं अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष राजेश वशिष्ठ ने भी छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को जागरूक ग्राहक बनना चाहिए। उपभोक्ता सजगता से ही मुनाफाखोरी, ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है। राजेश वशिष्ठ ने कहा कि उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे अपने परिवार और समाज में उपभोक्ता जागरूकता का संदेश फैलाएं। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस इंचार्ज मुनेश ने किया। पूरे आयोजन में विद्यालय का वातावरण उत्साह, ऊर्जा और प्रेरणा से भरा रहा।

रस्साकसी में कुकु क्लब प्रथम

- खेलों से भाईचारा और अनुशासन की भावना होती है विकसित

जींद। जुलाना क्षेत्र के पौली गांव में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन युवा स्पोर्ट्स कमेटी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में मुख्यातिथि के रूप में जिला खेल अधिकारी रामपाल हुड्डा ने शिरकत की। रस्साकसी प्रतियोगिता में कुकु क्लब ने प्रथम स्थान हासिल किया। बास्केटबॉल प्रतियोबा में पौली ने प्रथम स्थान हासिल किया। कबड्डी प्रतियोगिता में रिंढाना की टीम ने नोल्था को पांच अंकों से मात देकर प्रथम स्थान हासिल किया। दूसरे नंबर पर नोल्था की टीम रही और तीसरे नंबर पर पौली व रिंढ़ाना बी टीम रही। युवाओं को संबोधित करते हुए जिला खेल अधिकारी रामपाल हुड्डा ने कहा कि खेलों से आपसी भाईचारा बढ़ता है और युवाओं में अनुशासन की भावना विकसित होती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ़चढ़कर भाग लें। खेलों के माध्यम से न केवल खिलाड़ी अपना नाम रोशन करते हैंए बल्कि गांव और क्षेत्र की भी पहचान बनती है। पौली गांव में एक फरवरी से कबड्डी की नर्सरी शुरू होगी और कोच की भी नियुक्ति की जाएगी। इस मौके पर नीरज मलिक, राजीव काजल, उमेश शर्मा, दीपक, मौसम, रोहित, रोहताश मलिक, बलजीत, रोहीराम आदि मौजूद रहे।